



# जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अंदर- चंबल के बीहड़ों में फिर सिर उठा रहे बागी

E-paper : [www.jansandeshtimes.net](http://www.jansandeshtimes.net) | Portal : [www.jansandeshtimes.news](http://www.jansandeshtimes.news)

## गुजरात में कई दिग्गज नहीं लड़ेंगे चुनाव

**पूर्व सीएम विजय रूपाणी सहित भूपेंद्र सिंह चुडासमा का चुनाव लड़ने से इनकार**

गांधीनगर। गुजरात चुनाव की तारीखों के एक लाइन के साथ ही चुनावी गहराहाही और तेज हो गई है। भाजपा की ओर से धुआंधार प्रचार के बीच कई दिग्गजोंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इनमें से एक नाम है पूर्व सीएम विजय रूपाणी का। रूपाणी ने युवाओं को मौका देने की बात कही है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा, मैंने सभी के सहायते से पांच चुनाव लड़ने से इनकार किया है। इन चुनावों में नए कार्यकार्ताओं को जिमीदारी दी जाए। मैं चुनाव नहीं लड़ूँगा, मैंने वरिष्ठों को पत्र भेजकर लिया है कि अवकाश करा दिया है। हम चुनाव मिलाना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूँ। मैं पार्टी का आधार व्यक्त करता हूँ। इसके अलावा विधायक प्रदीप सिंह जडेजा भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। जडेजा ने कहा, मैं वटवा विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा वरिष्ठ भाजपा

### विधानसभा चुनाव

रूपाणी ने युवाओं को मौका देने की कही बात

वरिष्ठों को पत्र भेजकर दिल्ली मुख्यालय को अवगत कराया

विधायक भूपेंद्र सिंह चुडासमा ने भी चुनाव लड़ने से इनकार किया है।

चुडासमा ने कहा, मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूँगा और पार्टी के बीच नेताओं को इस संबंध में बता दिया है। मैंने तय किया है कि अय्य कार्यकार्ताओं को अवकाश करा दिया है। हम अपसर मिलाना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूँ। मैं पार्टी का आधार व्यक्त करता हूँ। इसके अलावा विधायक प्रदीप सिंह जडेजा भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसमें पीपल नेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओपी माथुर के



पार्टी द्वारा चार बार विधायक और राज्य मंत्रिमंडल में भी विधायक और राज्य मंत्री के रूप में काम करने का एक बड़ा अवकाश दिया गया है। मैं खेच्छा से अगला विधानसभा चुनाव 2022 में नहीं लड़ना चाहता।

इन नेताओं ने चुनाव नहीं लड़ने की विषय वार्ता की बोली दी है। मैं पार्टी का विषय वार्ता की बोली दी है। इसके अलावा चुनाव नहीं लड़ने की विषय वार्ता समिति (उत्तर) की बैठक दिल्ली में हो रही है।

इसमें पीपल नेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बैठक में शामिल हुए।

बताया जा रहा है कि इसमें जडेजा अमित शाह और ओपी माथुर के

लियोगे। जडेजा ने कहा, मैं वटवा विधानसभा सीट का विधायक हूँ।

## मैनपुरी में राजभर ने उतारा प्रत्याशी

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में सुहूलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने ताल ठोक दी है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैविनेट मंत्री ओपी प्रकाश राजभर (ओपी राजभर) ने बुधवार को सुभासपा प्रत्याशी का एलान किया। उन्होंने मैनपुरी उपचुनाव में रामकात कश्यप को प्रत्याशी बनाया है। रामकात कश्यप इटावा के रसेन वाले हैं। ओपी राजभर बुधवार को किशनी क्षेत्र के गांव खिरुपुर पहुँचे। यहां प्रत्क्रियों से वार्ता करते हुए कहा कि अखिलेश वादव ने उत्तर तालका के विषय वार्ता के बाबत उत्तर नहीं दिया। शिवसेना नेता व राजसभा संसद संसद यात्रा को कोटी से बड़ी राहत मिली है। बुधवार को रात तुम्हारी आवाज की जमानत वाचिका पर सुनवाय करते हुए मुंबई की पीएमएलए अर्को ने उत्तर जमानत दे दी है। रात तापां चाली चूम संकेत के बाबत उत्तर दे दी है।

राज्यसभा सांसद संजय राऊत को मिली जमानत

मुंबई। शिवसेना नेता व राजसभा संसद संसद यात्रा को कोटी से बड़ी राहत मिली है। बुधवार को रात तुम्हारी आवाज की जमानत वाचिका पर सुनवाय करते हुए मुंबई की पीएमएलए कोर्ट ने उत्तर जमानत दे दी है।

राज्यसभा सांसद संजय राऊत को अदान्द के बाबत उत्तर दे दी है। अदान्द के बाबत उत्तर दे दी है।

रिहाई के बाबत उत्तर दे दी है। अदान्द मिलने के बाबत उत्तर दे दी है।

रिहाई के बाबत उत्तर दे दी है। अदान्द के बाबत उत्तर दे दी है।

रिहाई के बाबत उत्तर दे दी है।

### सपा-रालोद मिलकर लड़ेंगे

### रामपुर - मैनपुरी उपचुनाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव में सपा व राष्ट्रीय लोकदल भिन्नकर चुनाव रात 8.52 बजे व दूसरी बार रात 1.58 बजे महसूस किया गया। एक ही दिन में दो बार आप भूपेंद्र के झटकों ने लोगों को दहशत में लो दिया। रात की जांच के दूसरी बार लड़ेंगे। सपा एवं राष्ट्रीय लोकदल भिन्नकर चुनाव कर दी है।

मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। अन्य चुनाव नहीं होंगे। उत्तर प्रदेश की सदस्यता पर नियम के तहत कारबाही होने की बात कही। उन्होंने कहा कि

सुभासपा प्रत्याशी चुनाव लड़ा इन सीढ़ी पर पांच दिसंबर को मतदान के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनाव परिणाम की घोषणा होगी।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चुनावी होनी चाहिए।

अच्छे स्तर की शिक्षा मिले। देश में एक साधारण होते हुए एक समान शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए। राजनीति में हिस्सेदारी के लिए जिताव नामांगन के बाबत उत्तर प्रदेश की चुनावी चुनावी चु

संक्षेप

# बीफ न बनाने की डांट पर फांसी पर झूल गया कुकमैन, मौत

दुःखद

तराव गांव स्थित सेंट मैरिज स्कूल में मंगलवार रात हुई घटना

जनसंदेश न्यूज



मृतक की फाइल फोटो

**क्या कहती है प्रधानाचार्य**

युवक द्वारा फाँसी पर झूल कर आलहाया किये जाने के मामले में स्कूल की प्रधानाचार्या को आलहाया ने बताया कि यह अन्तरिक्ष के लिए आया था। मृतक के भाई मोहिनी के उत्तरवाकर के लिए खुल जाने की खड़की तोड़कर देखा तो उसका शब कमरे में ठंडक रहा था। स्कूल के स्टाफ ने मामले की जानकारी केरांव पुलिस को दी औपस ने मैके पर पहुच रहा शब को उत्तरवाकर पंचायत नामा करते हुए पोष्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के

कारोबार। स्थानीय थाना क्षेत्र के तराव गांव में स्थित सेंट मैरिज स्कूल के कुकमैन ने अपने कर्मसे में फांसी के फेंटे पर लटकार जान दी। मामले की जानकारी तब हुई जब वह बुधवार को सुबह देर तक नहीं उठा स्कूल की सिस्टर निलाने ने आवाज लगाई लोकन कोई जबाब नहीं आने पर स्कूल के शिक्षिकों ने खड़की को तोड़कर देखा तो उसका शब कमरे में ठंडक रहा था। स्कूल के स्टाफ ने मामले की जानकारी केरांव पुलिस को दी औपस ने मैके पर पहुच रहा शब को उत्तरवाकर पंचायत नामा करते हुए पोष्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के

## जंघई में सड़क पटरी पर रखा अतिक्रमण हटाया गया



जंघई। जंघई गेट की पास सड़क की पटरी पर रखी गई अवैध गुमटी को राह स्थिती रहा जबाब दिया गया। उत्तरवाकर समर्थक व भारी संख्या में पुलिस बल भेज कर हटाया दिया।

एसटीएस हाईडिंग ने जनहित में मिली शिकायत पर गुमटी को हटावाने का आदेश दिया था जिसके स्वामित्व से बाजार स्थित मूल्यमान पर जंघई असवा त्रिमुहाना पर रखी गई यह गुमटी आवागमन में अवैधत उत्पन्न कर रही थी जिसको दो कानूनीय एवं धाराधार्य सरायमरेज, चौपी इंचार्ज जंघई ने भारी पुलिस बल को साथ लेकर बुधवार दोपर में हटावा दिया।

**गणतंत्र दिवस परेड हेतु शुआट्स के छात्रों का चयन**  
नैनी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भरत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा छोट्सगढ में आयोजित होने वाली पूर्ण गणतंत्र दिवस परेड हेतु शुआट्स के दो छात्रों का चयन हुआ। एनएसएस समर्थक डा. ईपीक कुमार बोस ने बताया कि शुआट्स के छात्र आशीर्वाद एवं छात्रा शास्त्रीय राज का चयन 10 नवंबर से 21 नवंबर तक गुरुवारी स्थानीय दिवसपर्द्य वर्षावाली, विलासनुभुव में आयोजित पूर्ण गणतंत्र दिवस परेड शिरोपा में हुआ है। उप समन्वयक सत्रमुक्तुमार केरांवी ने बताया कि एनएसएस वालिट्रियर्स पूर्ण में भी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर शुआट्स का गोरव बढ़ा चुके हैं। एनएसएस वालिट्रियर्स सामाजिक कार्यक्रमों विशेषकर स्वच्छता अभियान, रक्षण, जागरूकता रैली आदि में भी अपनी स्क्रिप्ट प्रतिभागिता दे रहे हैं।

## सीएचसी में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन



उरुवा। बुधवार को स्टार्टापुर सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमसारेम) दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर आशीर्वादियों की द्वारा किया गया। जिसमें गम्भीर लूप से धायां होने पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसी थाना अवैधत मदाहरू गांव के रामनगर का पियर असेसमेंट के जिला सलाहकार कावलीटी एस्योरेंस डा आरिक बेग एवं जिला सलाहकार डॉक्टर हसनेर कोशिकों के द्वारा किया गया। डा आरिक बेग ने बताया की असेसमेंट में हाईस्टिल की स्थिति सेंट्रेपर्स में गुरुवार रुद्ध राम प्रतिदिन सुबह द्वारी सिंह एवं देव खड़की बेग एवं सिंह, देव, एलटी नीरज द्विवेदी, विशेषज्ञ एवं सिंह, एस्टरसीएस अंकित पांडे एवं नेत्र परेश द्विवेदी एवं उन्होंने नेटकाल इलाज के लिए स्ट्रक्चरपार्स एवं अस्पताल प्रयागराज में उपस्थित रहा।

**बुखार से पीड़ित बीड़ी व्यवसाई की मौत**

सहस्रों निवासी बीड़ी व्यवसाई मोहम्मद कलीम अंसारी लगभग 56 वर्षीय पुत्र स्वामी हाजी दीन मोहम्मद 5 दिनों से बुखार पीड़ित होने पर प्रयागराज के जिसी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। मंगलवार को तबीयत लीक होने पर डिक्टिस्क्रिप्ट कर दिया गया। जो चुंबनी की नहीं देख रहे तो उनके उपर खेद देख रहे थे। एक बड़े बुखार का नियन्त्रण करने की अनियन्त्रित क्षमता उनके उपर प्रयागराज के नियन्त्रण करने की उन्होंने देखा। बीड़ी व्यवसाई की मौत के बाद उन्होंने जीवन नहीं देखा।

**प्रेमी प्रेमिका मंदिर में रथाई शादी, परिजन रहे भौजूद**



उत्तरांव। कुछ प्रेमी प्रेमिका की नींव भौजूद रहे। इन्सान प्यार में न रूप-रंग देखता है, न जाति धर्म देखता और न? ही उत्तर और कद देखता है ऐसा ही एक मामला प्रयागराज जिसे में देखने को मिला है। उत्तरांव में सामाजिक बंधनों को दरकिनार कर प्रेमी-प्रेमिका ने भगवान को साक्षी मानकर सेदाबाद दिवस निमहरा मंदिर में एक दूसरे को जयमाला पहना कर जीवन भर साथ निधान को संकल्प लेकर अपनी जिंदगी की नई पारी की शुभांत कर दी। इस दौरान उनके परिजन भी मौजूद रहे। उत्तरांव की नींव भौजूद रहे। एक दूसरे के गले में जयमाला लाल दी और पिर जीवन भर एक दूसरे के साथ रहने का संकल्प लिया। इस दौरान उनके आपने को आशीर्वाद भी दिया। प्रेमी प्रेमिका की यह सादी क्षेत्र में चर्चा का विषय हुई है।

**बीएलओ पर लगाया मतदाता सूची कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप**

युवाओं को लेकर भाग युवक, तीन के ग्रामीण एक भौतिकी का आरोप है कि उसकी पीसीस वर्षीय पुरी की गांव में रिसेटर के यहां आते जाते एक युवक और उनके सहयोगी भगवान के ग्रामीण एक भौतिकी का असुविधा तथा उन्होंने तरीके से बर्तन के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

श्वरई। नाम श्वरई प्रभारी निरीक्षक लोकेंद्र निपाटी के नेतृत्व में उप निरीक्षक सोलहराज अहमद पुलिस द्वारा व्यापारी पर लेटर दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।

**स्पैक के साथ अभियुक्त गिरपत्र**

युवाओं के नियन्त्रण के लिए वे लैसेल विवरण दिया है।







## जनसंपादकीय बाइडेन की सफलता कसौटी पर

अमेरिकी वोटरों को तय करना है कि अस्सी-वर्षीय जो बाइडेन फिर राष्ट्रपति बन पाएँगे अथवा डोनल्ड ट्रंप अपनी दो वर्ष पूर्व की प्रायजन का बाइडेन से प्रतिशोध ले सकेंगे? अमेरिकी गणराजी का चुनाव 2024 में है। भारतीय लोकसभा का चुनाव भी तभी है। करीब चार करोड़ वोटों ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों के (100-सदस्यीय सीनेट के पैरीस तथा निचली सदन के सभी 435) सदस्यों का भाग्य मतपेटी में कैड कर दिया है। ट्रंप का अभियान रहा कि अमेरिकी आज विश्व पटल पर मजाक बन गया है। ट्रंप ने केल मीडिया को बताया कि वे जल्द ही विशेष घोषणा करेंगे। तब तक सप्त हो जाएगा कि सीनेट में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के बहुमत मिल पायेगी? अपने दोनों दलों के सदस्यों की संख्या समान (50-50) है। उपराष्ट्रपति कमला (शमला-गोमिला) हैरिस हैं जो सीनेट (राजसभा) की समाप्ति है। उनकी वोट ही निर्णयक होता है, मगर निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के 435 सदस्यों के चुनाव में ट्रंप को बहुमत की आवश्यकता है।

ऐसे मतदान की घड़ी पर राष्ट्रपति बाइडेन ने मतदाताओं से एक ओजस्वी अपील की थी : अपनी आवाज सुनाइए : वोट दीजिए। उनकी पार्टी का खास मुद्दा है : हर नरी को गर्भात्मक करने का हक है। उच्चतम न्यायालय ने गत दिनों उसे अवैध कराए दिया था। अपने दो वर्षों के शासन काल के गुण दोप पर भी बाइडेन ने जनमत मांगा है। चूक्रन की सुरक्षा इसका खास मसला है।

कल हुए संसदीय चुनाव के प्रायग्राम से तय हो जायेगा कि बाय राष्ट्रपति पद के लिए बाइडेन दुबारा प्रत्याशी बन पायेंगे? इन चुनावों को कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे मध्यवर्धीय अपने दोनों राष्ट्रपति जो बाइडेन के बाकी बचे दो वर्षीय कार्यकाल की दिशा तय करेंगे।

तमाम संकेत डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ हैं। चुनाव पूर्वी के जनमत संरैखों से आप संकेत मिले हैं कि हाउस ऑफ रिपब्लिकेट वेस्ट स्टेट्स और रिपब्लिकन के बहुमत ही वह गंवा सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो राष्ट्रपति बाइडेन की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

अमेरिका के गणराजी जो बाइडेन की अलोकप्रियता का हाल यह है कि मिडटर्म चुनाव के प्रचार के अभियान से उत्तरों खुद को लगभग हटा लेना पड़ा है। पिछले कुछ दिन से उत्तरों किसी बड़ी चुनाव सभा को संबोधित नहीं किया है। इसके बजाय लोगों के छोटे समूहों से संबंध करने की रणनीति पर वे चल रहे हैं, जहां उन्हें अपने प्रशासन के कामकाज के बारे में स्थानीकरण देने का बहतर मोक्ष मिलता है।

ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने अपने एक आकलन में कहा है कि अब दोनों संसदों में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत हो गया, तो वह बाइडेन के खिलाफ कई तरह की जांच खोल सकती है। इसी बीच बाइडेन के लिए शासन के बजाय लोगों के छोटे समूहों से संबंध करने की रणनीति पर वे चल रहे हैं, जहां उन्हें अपने प्रशासन के कामकाज के बारे में स्थानीकरण देने का बहतर मोक्ष मिलता है।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

स्पष्ट तौर पर यह चुनाव परिणाम राष्ट्रपति जो बाइडेन के दो वर्ष के कालखंड की उपलब्धियों और विकल्पों और एसीआर उनसे बहुमत मिलता है। इसी वर्ष चुनावी की जांच खोल सकती है। इसी बीच बाइडेन के लिए शासन करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

स्पष्ट तौर पर यह चुनाव परिणाम राष्ट्रपति जो बाइडेन के दो वर्ष के कालखंड की उपलब्धियों और विकल्पों और एसीआर उनसे बहुमत मिलता है। इसी वर्ष चुनावी की जांच खोल सकती है। इसी बीच बाइडेन के लिए शासन करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेंजा उपयोग), वेतन वृद्धि अद्वितीय है। इसके अतिरिक्त तीन प्रश्न अन्य अभी उठते हैं। वह ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पायेंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन है? उत्तर रस्स-जूनून युद्ध और चीन की आक्रमकता, खासकर लाभवान की सुरक्षा के पारेंशिय में, विशेष ध्यान अकर्तृ करते हैं।

अमेरिका के इन मध्यवर्धी संसदीय चुनाव में सोसाइटी ही सबविधिक महत्वपूर्ण अधियन का बिंदु है। अम वोटर भी गहराई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था (खासकर शस्त्र लाइसेंस क











# दलितों के विश्वनाथ मंदिर प्रवेश पर लाठी खाई, जेल भी गए

प्रभुनारायण सिंह के इस क्रांतिकारी रूप को जानने वाले अब नहीं हैं

राजनारायणजी के साथ उनकी जोड़ी समाजवादी आंदोलन में मिसाल है

रवि प्रकाश सिंह

पुरनियों को ये घटना आज भी नहीं भूलती और सुनने वाले भी रोमांचित और किंचित हतप्रभ हो जाते हैं जब उन्हें

1954 के उस माहोल से लेकर कराया जाता है। तब शहर की किंजा में अजीब सी सनसनी थी,

उत्सुकता के साथ आशका भी थी। सनातनी हिंदुओं के सबसे प्रमुख आस्था का

केंद्र काशी विश्वनाथ मंदिर में दलितों का प्रवेश दिलाना बड़ा मुद्दा बन

गया था। आज भी सन 54 के उस दौर का एक-एक पल जीवंत हो

उठता है। क्योंकि राजनारायणजी के साथ प्रभु बाबू ने काशी विश्वनाथ

मंदिर में दलितों के प्रवेश का ऐलान कर रखा था। गड़बड़ी की आशंका के

मददेनजर काशी विश्वनाथ मंदिर के पास भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती, इस

ऐलान से आगबबूला कट्टर सनातनियों का जमावड़ा था, बावजूद इसके प्रभु बाबू

और राजनारायणजी के घेरे पर तनिक भी शिकन नहीं थी। दोनों की जुगल जोड़ी

मजबूती से डटी रही और सत्याग्रह शुरू किया कि चाहे कुछ भी हो, समाज की इस

कुरीति को उखाड़ फेंकना है। रोज सत्याग्रही जत्था आगे बढ़ता और घेरा तोड़ने की

कोशिश में धक्कामुक्की (तब ये संभव था) करते हुए गिरफतार हो जाता था। लेकिन

इस दौरान एक दिन ऐसा हुआ कि जो बनारस के इतिहास में दर्ज हो गया। मंदिर में

प्रवेश के लिए राजनारायण और प्रभु बाबू यानी प्रभुनारायण सिंह दलितों के सत्याग्रह

का नेतृत्व करते हुए विश्वनाथ गली के आगे बढ़ रहे थे और साथ में सत्याग्रही जत्थे की भीड़ उफान पर थी।

पुलिस अफसरों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की शुरू हो गयी। भला नेता जी कहाँ मानने वाले,

पूरी ताकत और हिम्मत के साथ बेखौफ आगे बढ़ते रहे। इस बीच पुलिस ने लाठी चार्ज किया और घटना में

प्रभु नारायण सिंह और राजनारायण को गंभीर चोट आयी। पुलिस ने दोनों लोगों को घसीरते

हुए डेढ़सी के पुल (माकपा दफतर के नीचे) तक

लेकर आयी और यहां से वाहन में भरकर जेल

भेज दिया। इस आंदोलन का असर इतना

व्यापक था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ।

प्रभु नारायण सिंह और राजनारायण को गंभीर चोट आयी। पुलिस ने दोनों लोगों को घसीरते

हुए डेढ़सी के पुल (माकपा दफतर के नीचे) तक

लेकर आयी और यहां से वाहन में भरकर जेल

भेज दिया। इस आंदोलन का असर इतना

व्यापक था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ।



डॉ. लोहिया के साथ राजनारायण व प्रभु नारायण

1974

में बौद्ध कांग्रेस प्रत्याशी देवदुपुर से दिक्षिण नॉर्थ से जीते

बोलापुर (वाराणसी)

विवासनभा क्षेत्र से उन्नाव में

रिकार्ड मर्टन से विजय प्राप्त की। इस सिलसिले में यह

बात उल्लेखनीय है कि इस

उन्नाव में बारास, गाजीपुर

की 22 सीटों में 20 सीटों

पर कांग्रेस पराजय हुई थी।

उन्नी साल हमारीनदेन

बहुमुण्ड के नेतृत्व में गिरित

मान्द्रांगड़ल में उद्दीपन सत्याग्रह

मंत्री का पदभार ग्रहण किया।

इस पद पर रहते हुए उद्दीपन

अपने एक डॉक्टर थे, उन पर एक

आर डॉक्टर की नियुक्ति का

आदेश दिया।

प्रभुनारायण सिंह का वचन से ही राजनीतिक और सामाजिक

गतिविधियों प्रति आकर्षणीय था। 1930 में वाराणसी के चोक थाने

पर शीकाशी की नेतृत्व में आयोजित सत्याग्रह आंदोलन में

शिरकत के कारण महंग 11 साल की उम्र में गिरफतारी दी।

वही बीएचयू में छात्र हुए तथा भारतीय छात्रों की गोपनीयता

आंदोलन के दौरान फरारी काटते हुए इस आंदोलन को गांधी-गांग

ग्रहण में व्यापक दौरा किया। एक दौरान प्रभुनारायण पर अंग्रेजी सरकार ने पांच-

पांच दूजाएं पराजय किया।

उस जमाने के हिसाब से ये

रकम अजय लाखों में होगी।

गिरफतारी के बाद तीन साल

जेल में काटे। उनकी रिहाई 23

अप्रैल 1945 को हुई। रिहाई

के बाद विशेषज्ञ की

पालियांग शास्त्रीय की बारंबारी

हुईं में प्रांभंग हुईं। 1945 में

ही उत्तर प्रदेश रस्ते का ग्राम

के सचिव नियुक्त हुए। सन

1947 में बीएचयू की

पालियांग के द्विटी स्पीकर

हुए। उनके नेतृत्व में सोशलिस्टों के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उसके नेतृत्व में गोपनीयता की धूम लिया तथा अपने भाषण में उन्होंने यह बात स्पष्ट रूप

में स्वीकृति की रखी। आचार्य नरनारद देव उनके भी नेता

थे। उसमें उद्देश्य सोशलिस्ट धोषणा पर समर्पित

किया। यह जिसे राजनीतिक विशेषज्ञ की धूम लिया तथा जिसने एक सोशलिस्ट

मंत्री ने बहुमानुष गुप्त और प. कमलावासि नियुक्ति जैसे अपने को हिंदी समर्थक प्रतिष्ठानों में कपड़ा मिले के मजदूरों पर पुलिस के गोली चलाये जाने का जोरदार विरोध करते हुए उद्दीपने से राजनीति की लागू करने की धूम लिया तथा जिसने एक सोशलिस्ट के द्विटी स्पीकर

हुए। उसने गोली चलायी।

उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण

हुए। उद्दीपने के बाद विशेषज्ञ के बादीलों में एक ऐतिहासिक ध्वनीकरण